तापमान

भोपाल	23.0°	28.0°
इंदौर	23.0°	27.0°
जबलपुर	24.0°	27.0°
ग्वालियर	26.0°	30.0°
सागर	23.0°	27.0°

नईदुनिया

वर्ष- 80
(भोपालः वर्ष 41 अंक 233, पृष्ठ 12)
आषाढ़, शुक्ल अष्टमी संवत् 2083
बुधवार, 22 जुलाई 2026
कीमतः 3:00 रुपये

www.naiduniaonline.com
भोपाल संस्करण
भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

राजधानी... बड़वानी की लाल मिर्च को दिलाएंगे जीआई ...

व्यापार... सर्राफा बाजार में मंहगा हुआ सोना, चांदी की भी ...

खेल... विश्व कप फाइनल की हार के बाद भावुक हुए...

देश-विदेश... कनाडा के उत्पादों पर 50 प्रतिशत ...

समान नागरिक संहिता विधेयक पारित : मप्र चौथा राज्य

राज्यपाल के हस्ताक्षर उपरांत राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित होगी, विपक्ष ने किया जमकर हंगामा...

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः समान नागरिक संहिता लागू करने वाला मध्यप्रदेश चौथा राज्य बन गया है। मंगलवार को विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन भारी हंगामे और नारेबाजी के बीच समान नागरिक संहिता विधेयक पारित हो गया। विपक्ष के तीखे विरोध और सदन से बाहर जाने के प्रयास के बावजूद विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कार्यवाही जारी रखते हुए विधेयक को पारित घोषित किया। विधेयक राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। राज्यपाल की स्वीकृति मिलने के बाद राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित की जाएगी, जिसके बाद मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू होगी। इसके बाद मध्य प्रदेश राजमार्ग संशोधन विधेयक-2026 भी विधानसभा से पारित कर दिया गया। सत्र की शुरुआत में सरकार ने समान नागरिक संहिता विधेयक को चर्चा के लिए सदन के पटल पर रखा। विधेयक प्रस्तुत होते ही नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसका विरोध करते हुए इसे विस्तृत समीक्षा के लिए प्रवर समिति के पास भेजने की मांग की। सरकार ने यह मांग अस्वीकार कर दी, जिसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

मुस्लिम तुष्टीकरण बंद करोः डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सदन में 'मुस्लिम तुष्टीकरण बंद करो' और 'जय श्रीराम' के नारे लगवाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समान नागरिक संहिता बिल पर सुझाव देने वाले प्रदेश वासियों को वे शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस वर्षों तक तुष्टीकरण और मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करती रही तथा देश की जनता की पीठ में खंजर भोंकने का काम किया। उन्होंने कहा कि यूसीसी लागू होने के बाद मध्य प्रदेश में भेदभाव से मुक्ति मिलेगी। उत्तराखंड, गुजरात और असम के बाद अब मध्य प्रदेश भी समान नागरिक संहिता लागू करने जा रहा है।

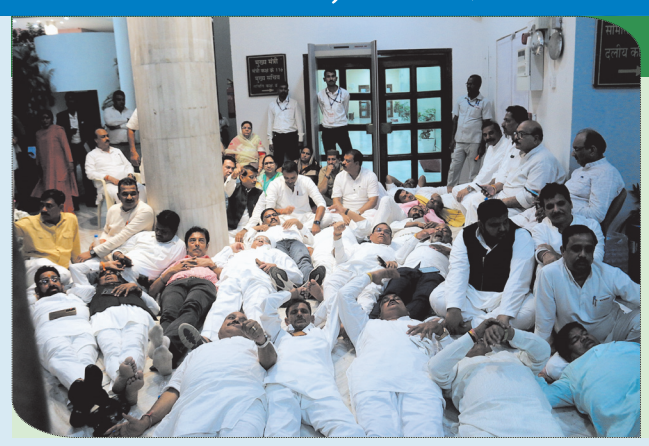

कांग्रेस ने किया विधेयक का विरोध

मांग नहीं माने जाने पर कांग्रेस विधायक विरोध दर्ज कराते हुए सदन के मध्य भाग में पहुंच गए और सरकार के विरुद्ध नारेबाजी करने लगे। दूसरी ओर सत्ता पक्ष के विधायक और मंत्री विधेयक पर तत्काल चर्चा कर उसे पारित कराने पर अड़े रहे। सदन में बढ़ते हंगामे को देखते हुए अध्यक्ष ने कार्यवाही पहले 10 मिनट और उसके बाद 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर कांग्रेस विधायक बाला बच्चन, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, विधायक आतिफ अकील तथा आरिफ मसूद ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। कांग्रेस ने इस विधेयक को राजनीतिक एजेंडा बताते हुए संविधान के अनुच्छेद 29 का उल्लेख कर अल्पसंख्यकों के सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों की रक्षा का मुद्दा उठाया। इसके बावजूद सरकार ने सदन में बहुमत के आधार पर विधेयक पारित करा लिया।

समान नागरिक संहिता को ऐसे समझें

सामान्यतः किसी भी देश में दो प्रकार के कानून होते हैं—आपराधिक कानून और नागरिक कानून।

आपराधिक कानूनः आपराधिक कानून चोरी, डकैती, मारपीट, हत्या जैसे अपराधों से जुड़े मामलों पर लागू होता है। इसमें सभी धर्मों और समुदायों के लिए न्यायालय, न्यायिक प्रक्रिया और दंड का प्रावधान समान होता है।

नागरिक कानूनः विवाह, तलाक, भरण-पोषण, गोद लेना, उत्तराधिकार और संपत्ति जैसे विषय नागरिक कानून के अंतर्गत आते हैं। भारत में विवाह, परिवार और संपत्ति से जुड़े मामलों में विभिन्न धर्मों की परंपराओं, रीति-रिवाजों और मान्यताओं के आधार पर अलग-अलग व्यक्तिगत कानून लागू होते हैं। इन्हें व्यक्तिगत विधि कहा जाता है।

उदाहरण के लिए, मुस्लिम समुदाय में विवाह, तलाक और उत्तराधिकार के मामलों पर मुस्लिम व्यक्तिगत विधि लागू होती है। वहीं हिंदुओं के विवाह संबंधी मामलों का संचालन हिंदू विवाह अधिनियम के अनुसार होता है। इसी प्रकार ईसाई, सिख और अन्य समुदायों के लिए भी अलग-अलग व्यक्तिगत कानून हैं।

समान नागरिक संहिताः समान नागरिक संहिता का उद्देश्य विभिन्न धर्मों के अलग-अलग व्यक्तिगत कानूनों के स्थान पर सभी नागरिकों के लिए एक समान नागरिक कानून लागू करना है। इसका अर्थ है कि भारत के प्रत्येक नागरिक पर, चाहे उसका धर्म या जाति कोई भी हो, विवाह, तलाक, गोद लेना, उत्तराधिकार और संपत्ति जैसे नागरिक मामलों में एक ही कानून लागू होगा।

उदाहरण के तौर पर, वर्तमान व्यक्तिगत कानूनों के अनुसार मुस्लिम पुरुषों को कुछ परिस्थितियों में एक से अधिक विवाह की अनुमति है, जबकि हिंदू विवाह अधिनियम के अनुसार पहली पत्नी के जीवित रहते दूसरा विवाह करना अपराध माना जाता है। समान नागरिक संहिता लागू होने पर ऐसे विषयों में सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून प्रभावी होगा।

राहुल गांधी को पुलिस ने उठाया, तीन घंटे बाद छोड़ा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः प्रश्नपत्र लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास के निकट धरना दिया। दोपहर साढ़े तीन बजे धरने पर बैठे कांग्रेसियों को पुलिस शाम साढ़े 6 बजे उठाकर ले गई। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव समेत कई नेता को हिरासत में ले लिया है। सरकार ने 3 घंटे के धरने में राहुल से 2 बार बातचीत की, लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी पहुंचे तो कांग्रेसियों ने घेरा बना लिया और राहुल तक पहुंचने नहीं दिया। कांग्रेसियों और पुलिस के बीच आधे घंटे तक धक्का-मुक्की होती रही। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। आखिर में 12 से ज्यादा पुलिसकर्मी उन्हें उठाकर ले गए और बस में बैठाया। सभी नेताओं को छत्रसाल स्टेडियम में रखा गया। यहां से करीब 3 घंटे बाद रात 9.45 बजे सभी को रिहा कर दिया गया। प्रियंका को मंदिर मार्ग थाने ले जाया गया था। प्रियंका से मिलने सोनिया गांधी थाने पहुंची थी। इस बीच प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह धरनास्थल पहुंचे। मंत्री सिंह ने पोस्ट करके कहा- राहुल की मांग थी कि संसद में नीट पर चर्चा हो। सरकार ने उनकी बात मान ली तो वह अपनी बात से मुकर गए।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन जारी, सरकार को वार्ता के लिए बुलाने की मांग

नई दिल्लीः जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी रहा। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि सरकार ने प्रतिनिधिमंडल को बुलाकर समय नष्ट किया तथा उनके मोबाइल जब्त कर उन्हें एक तरह से नजरबंद रखा। उन्होंने कहा कि अब वे सरकार से बातचीत करने नहीं जाएंगे और यदि वार्ता करनी है तो सरकार को स्वयं जंतर-मंतर आना होगा।

वरिष्ठ नेता शरद पवार व अरविंद केजरीवाल पहुंचे

इस दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले, वरिष्ठ नेता शरद पवार तथा अरविंद केजरीवाल प्रदर्शन स्थल पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की। दूसरी ओर, दिल्ली उच्च न्यायालय ने गीतांजलि अंगमो की याचिका पर सोनम वांगचुक को मेदांता चिकित्सालय में स्थानांतरित करने का आदेश दिया, जिसके बाद उन्हें ले जाने के लिए दो एंबुलेंस सफदरजंग अस्पताल पहुंचीं। अभिजीत दीपके ने कहा कि छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए संसद मार्च नहीं निकाला जा रहा है। वहीं, सोनम वांगचुक लगातार 24वें दिन भी अनशन पर रहे। इस बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक जैसे मामलों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

भारत और चीन के जहाजों ने मार्ग बदला

तेल अवीव, एजेंसीः सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर भारत और चीन जा रहे दो तेल वाहक पोतों ने मंगलवार को लाल सागर में अपना मार्ग बदल लिया। दोनों पोत बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों की चेतावनी के बाद उत्तर दिशा की ओर लौटकर स्वेज नहर के मार्ग का रुख कर लिया।

हूती विद्रोहियों ने सोमवार को सऊदी अरब के विरुद्ध नौसैनिक नाकेबंदी की घोषणा की थी। इसके बाद उन्होंने विश्वभर की नौवहन कंपनियों को संदेश भेजकर चेतावनी दी कि सऊदी अरब के किसी भी बंदरगाह पर माल चढ़ाने या उतारने वाले पोत उनकी सैन्य पहुंच के भीतर कहीं भी निशाना बनाए जा सकते हैं। एक विशाल तेल वाहक पोत सोमवार को सऊदी अरब के यनबू बंदरगाह से लगभग 20 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर चीन के लिए रवाना हुआ था।

सुरंग धँसी, 10 की मौत

17 श्रमिक अब भी फंसे, मीथेन गैस की आशंका से बचाव कार्य प्रभावित

नईदुनिया ब्यूरो, गंगटोकः सिक्किम के नामची जिले में निर्माणाधीन समरदुंग सुरंग पर भूस्खलन होने से प्रवेश द्वार मलबे में दब गया, जिससे भीतर मौजूद 27 श्रमिक फंस गए। इस हादसे में 10 श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि 17 श्रमिक अब भी सुरंग के भीतर फंसे हुए हैं। मृतकों में तीन की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। घटना के समय सुरंग में निर्माण कार्य चल रहा था। पुलिस अधीक्षक सोनम डोल्मा ने बताया कि भीतर फंसे श्रमिकों की वास्तविक संख्या 27 से कम या अधिक भी हो सकती है। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। सुरंग के भीतर मीथेन गैस के रिसाव की आशंका के कारण बचाव अभियान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गैस के प्रभाव से कई बचावकर्मियों को चक्कर आए, जबकि कुछ बेहोश भी हो गए। इसके कारण राहत कार्य की गति प्रभावित हुई है।

ब्रिटेन की नई मंत्रिपरिषद में दो भारतवंशियों को स्थान

लंदन, एजेंसीः ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने सोमवार को पदभार संभालने के बाद नई मंत्रिपरिषद का गठन किया। नई टीम में कई पुराने मंत्रियों को बरकरार रखा गया है। भारतवंशी कनिष्क नारायण को कृत्रिम मेधा मंत्री बनाया गया है, जबकि भारतवंशी लीजा नंदी को संस्कृति मंत्री के पद पर यथावत रखा गया है। कनिष्क नारायण का जन्म बिहार के मुजफ्फरपुर में हुआ था। 12 वर्ष की आयु में वह अपने परिवार के साथ ब्रिटेन के कार्डिफ चले गए। राजनीति में आने से पहले उन्होंने तकनीक और वित्त क्षेत्र में कार्य किया तथा कृत्रिम मेधा, वित्तीय प्रौद्योगिकी और जलवायु से जुड़े क्षेत्रों में योगदान दिया। वर्ष 2025 में उन्हें कृत्रिम मेधा और ऑनलाइन सुरक्षा मंत्री बनाया गया था। लीजा नंदी का जन्म मैनचेस्टर में हुआ। उनके पिता दीपक नंदी कोलकाता के निवासी थे, जबकि उनकी माता लुईस बायर्स ब्रिटेन की रहने वाली हैं।

ब्लॉग में छलका अमिताभ बच्चन का अनुभव

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः अभिनेता अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में अस्पताल में भर्ती होने, शल्य चिकित्सा तथा गहन चिकित्सा कक्ष में रहने का उल्लेख किया है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्हें कब, किस अस्पताल में और किस कारण भर्ती किया गया था। उन्होंने लिखा कि अस्पताल से घर लौटने का समय शारीरिक और मानसिक रूप से सबसे कठिन होता है। जीवन में कठिन परिस्थितियों का साहस के साथ सामना करने वाले ही सच्चे विजेता होते हैं। लोगों से स्वस्थ और प्रसन्न रहने की अपील भी की।

मौसम का असर *जम्मू-कश्मीर में 23 लोगों की मौत, असम में लाखों लोग प्रभावित...*

मध्य प्रदेश और राजस्थान में मानसून फिर सक्रिय

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः देश के कई राज्यों में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। जम्मू-कश्मीर में लगातार वर्षा के कारण आई बाढ़ से पिछले दो दिनों में 23 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि पुंछ और राजौरी में सात लोग अब भी लापता हैं। लगातार वर्षा के कारण राहत और बचाव कार्य प्रभावित हुआ है। असम के गुवाहाटी में भारी वर्षा के बाद भूधंसाव हुआ तथा राष्ट्रीय राजमार्ग-715 का एक हिस्सा जलमग्न हो गया। राज्य के 12 जिलों में 1.70 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। मध्य प्रदेश में 23 जुलाई तक अधिकांश क्षेत्रों में हल्की वर्षा की संभावना है, जबकि राजस्थान के 33 जिलों में वर्षा का सतर्कता संदेश जारी किया गया है।

रायसेन में सड़क धँसी, यातायात जाम

मध्य प्रदेश में लगातार हो रही वर्षा से जनजीवन प्रभावित हो गया है। रायसेन जिले में सड़क धंसने के कारण सागर-भोपाल राजमार्ग पर लंबा यातायात जाम लग गया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मार्ग बाधित होने से यात्रियों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदेश के 30 से अधिक जिलों में वर्षा दर्ज की गई। कई स्थानों पर लगातार वर्षा के कारण जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे सामान्य जनजीवन और आवागमन प्रभावित रहा। राजगढ़ जिले में सबसे अधिक लगभग चार इंच वर्षा दर्ज की गई। वर्षा के कारण निचले क्षेत्रों में पानी भरने से लोगों को दैनिक कार्यों में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। लगातार वर्षा के चलते कई क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। सड़क धंसने और जलभराव के कारण प्रमुख मार्गों पर वाहनों की आवाजाही धीमी हो गई। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी वर्षा का दौर जारी रहने की संभावना जताते हुए सतर्कता संदेश जारी किया है। विभाग के अनुसार प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में अगले चरण की वर्षा को लेकर निगरानी रखने और आवश्यक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। लगातार वर्षा को देखते हुए लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने तथा मौसम की स्थिति पर ध्यान रखने की अपील की गई है।